सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 124 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 9 जून, 2022
मूल्य ₹ 3/-

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो। विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।
-धीरूभाई अंबानी

बसपा स्टार प्रचारकों की लिस्ट से... 2 | विधान परिषद चुनाव : सपा प्रमुख... 3 | हमीरपुर : वाहन की टक्कर से बाइक... 7

विवादित बयानों के मामलों ने पकड़ा तूल

दुनिया भर में किरकिरी के बाद जागी सरकार

ओवैसी, नूपुर व नरसिंहानंद समेत 11 पर एफआईआर

दिल्ली पुलिस ने सभी पर लगाया कथित रूप से नफरत फैलाने का आरोप

» पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा और दिल्ली मीडिया सेल प्रमुख रहे नवीन जिंदल ने की थी विवादित टिप्पणी

» नामचीन पत्रकार सबा नकवी के खिलाफ मामला दर्ज कर सवालों के घेरे में आयी दिल्ली पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी पर विश्वभर में किरकिरी के बाद मोदी सरकार एक्शन में आई है। पिछले कुछ दिनों से दोनों समुदायों की ओर से दिए गए विवादित बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दिल्ली पुलिस ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, स्वामी यति नरसिंहानंद और नूपुर शर्मा समेत 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। नामचीन पत्रकार सबा नकवी के खिलाफ भी मामला दर्ज हुआ है।

दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ इकाई ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को नामजद करते हुए कथित तौर पर भड़काऊ टिप्पणी करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। वहीं ओवैसी के खिलाफ एफआईआर होने के बाद एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं ने पार्लियामेंट थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन और हंगामा किया। एफआईआर में स्वामी यति नरसिंहानंद का नाम भी दर्ज है।

खाड़ी देशों ने जताई थी आपत्ति

पैगंबर मोहम्मद पर भाजपा की प्रवक्ता रहीं नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी के बाद 57 मुस्लिम देशों के संगठन इस्लामिक सहयोग संगठन और छह खाड़ी देशों के संगठन गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल ने इस मामले पर न केवल अपनी नाराजगी जाहिर की थी बल्कि भारत पर मुस्लिमों को निशाना बनाए जाने का आरोप भी लगाया था। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों से अपील की थी कि भारत में मुसलमानों को निशाना बनाने के खिलाफ जरूरी कदम उठाए जाएं। संगठन ने मांग की थी कि पैगंबर मोहम्मद के किसी भी तरह के अपमान के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कतर, कुवैत और ईरान ने भारतीय राजदूतों को तलब कर विरोध जताया था। कतर-कुवैत ने भारत सरकार से इस बयान पर माफी की मांग की थी। सऊदी अरब ने भी ऐतराज जताया था।

सामाजिक सद्भाव के लिए जानी जाती हैं सबा नकवी

सबा नकवी दुनिया की जानी-मानी पत्रकार हैं। वे अपनी बेबाक टिप्पणी और विषयों के निष्पक्ष विश्लेषण के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने विभिन्न विषयों पर कई पुस्तकें लिखी हैं। उन्हें कई सम्मान मिल चुके हैं और वे सामाजिक सद्भाव के लिये जानी जाती हैं। वरिष्ठ पत्रकार सबा नकवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिल्ली पुलिस सवालों के घेरे में आ गयी है।

इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपुर शर्मा, नवीन कुमार जिंदल, शादाब चौहान, मौलाना मुफ्ती नदीम, अब्दुर रहमान, गुलजार अंसारी, अनिल कुमार मीणा और पूजा शकुन पांडेय के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि सभी आरोपी कथित रूप से नफरत के संदेश फैला रहे थे। वे विभिन्न समूहों को उकसा रहे थे और ऐसी स्थिति पैदा कर रहे थे, जो देश में शांति बनाए रखने के लिए हानिकारक है।

क्या है मामला

बीते दिनों एक टीवी डिबेट में भाजपा प्रवक्ता रहीं नूपुर शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी की थी। इस मामले को लेकर खाड़ी देशों और 57 मुस्लिम देशों के संगठनों ने भारत सरकार से विरोध जताया था। दुनिया भर में किरकिरी के बाद भाजपा ने नूपुर शर्मा को निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही दिल्ली मीडिया सेल के प्रमुख नवीन जिंदल को भी निष्कासित कर दिया गया था। जिंदल ने एक जून को मोहम्मद साहब पर विवादित ट्वीट किया था।

फिर डराने लगा कोरोना, चौबीस घंटे में सात हजार से अधिक संक्रमित

» एक्टिव मरीज 32 हजार पार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के मामले फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7 हजार से ज्यादा नए मामले (7240) सामने आए हैं। इसी के साथ ही आठ लोगों की मौत भी हो गई है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को निर्देश जारी किए हैं।

भारत में कोरोना के एक्टिव मरीज 32 हजार के पार पहुंच गए हैं। कोविड केस बढ़ने के पीछे ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट्स बीए.4 और बीए.5 को वजह माना जा रहा है। 8 जून को पांच हजार से ज्यादा मामले आए थे। वहीं 7 जून को करीब चार हजार नए मरीज मिले थे। महाराष्ट्र, दिल्ली, केरल में कोविड केस तेजी से बढ़ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को पांच-स्तरीय रणनीति, यानी टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-टीकाकरण और कोविड गाइडलाइन के पालन को कहा है।

निर्वाचन आयोग का ऐलान, 18 जुलाई को होगा राष्ट्रपति चुनाव

» 21 जुलाई को देश को मिलेंगे नए महामहिम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । राष्ट्रपति चुनाव का ऐलान हो चुका है। चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान करते हुए कहा कि 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव होगा और 21 जुलाई को देश को नए राष्ट्रपति मिल जाएंगे। 29 जून नामांकन की आखिरी तारीख होगी, जबकि दो जुलाई नाम वापसी की तारीख होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि वोट देने के लिए 1,2,3 लिखकर पसंद बतानी होगी। पहली पसंद न बताने पर वोट रद्द हो जाएगा। इस दौरान राजनीतक दल कोई व्हिप नहीं जारी कर सकते हैं। संसद और विधानसभाओं में वोटिंग होगी। राज्य सभा के महासचिव चुनाव प्रभारी होंगे। इसके अलावा कोरोना प्रोटोकॉल के पालन के भी निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई 2022 को खत्म हो रहा है। इससे पहले देश का अगला और 15वां राष्ट्रपति चुन लिया जाएगा। राष्ट्रपति को चुनने के लिए आम लोग वोटिंग नहीं करते। इसमें दोनों सदनों (लोक सभा और राज्य सभा) के सदस्य और सभी राज्यों की विधान सभा के सदस्य राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग करते हैं।

जनसमस्याओं को गंभीरता से लें अधिकारी : सीएम योगी

» मंकीपॉक्स संक्रमण को लेकर हर स्तर पर रहें सावधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंकीपॉक्स संक्रमण को लेकर हर स्तर पर सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लक्षण, उपचार आदि के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए। संदिग्ध लक्षण वाले लोगों के सैंपल की जांच कराई जाए। उन्होंने सभी विकास प्राधिकरण को वर्तमान व भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। वह लोक भवन में टीम 9 की बैठक में प्रदेश में कोविड की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ट्रैक, टेस्ट और ट्रीट टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से कोविड महामारी पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। उन्होंने पात्र लोगों को टीके की दूसरी खुराक समय से देने के निर्देश दिए हैं। टीकाकरण अभियान की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को बूस्टर डोज दिए जाने में तेजी लाई जाए। इस बाबत लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने बच्चों की स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए हैं। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि पिछले 24 घंटे में राज्य

में कोरोना के 170 नए मामले सामने आए हैं। वहीं 159 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 914 है। इसमें 849 लोग होम आइसोलेशन में हैं। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 96 हजार से अधिक कोरोना टेस्ट किए गए। यह भी बताया गया कि अब तक 33 करोड़ 04 लाख 26 हजार से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी हैं। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 93.44 प्रतिशत लोग कोविड टीके की दोनों डोज ले चुके हैं। 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के 90.16 प्रतिशत बच्चों ने टीके की पहली खुराक और 41.96 प्रतिशत बच्चों ने टीके की दूसरी खुराक प्राप्त कर ली है। 32 लाख 35 हजार से अधिक प्रीकॉशन डोज प्रदान की जा चुकी हैं।

उद्योग बंधु की नियमित बैठक के निर्देश

मुख्यमंत्री ने उद्योग बंधु की बैठक नियमित अंतराल पर कराने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन के लंबित मामलों का वरीयता के आधार पर निस्तारण करने और निस्तारित प्रकरणों की शासन स्तर से रैंडम जांच कराई जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन कराने, खरीफ फसल के दृष्टिगत खाद एवं बीज आदि की पर्याप्त उपलब्धता समय से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह और बेहतर करने की जरूरत है।

एक सप्ताह बढ़ाया गया सड़क सुरक्षा अभियान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि जिलों में तैनात डीएम, एसएसपी व एसपी जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के प्रति संवेदनशील और गंभीर रहें। शिकायतकर्ताओं के प्रार्थनापत्रों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। साथ ही डीएम और एसएसपी व एसपी स्थानीय जन प्रतिनिधियों से संवाद कर मार्गदर्शन लेते रहें। उन्होंने कहा कि निस्तारित प्रकरणों की शासन स्तर से रैंडम जांच कराई जाए और शिकायतकर्ताओं से फीडबैक भी लें। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश भर में चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान को एक सप्ताह के लिए बढ़ाया जाए।

अपने दम पर लड़ेंगे नगरीय निकाय चुनाव : शिवपाल

» बोले- हमारे साथ हुआ विश्वासघात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) ने समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका दिया है। यूपी में विधानसभा 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ चुनाव लड़ने वाली प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने तय किया है कि इस साल के अंत में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। यह फैसला पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में लिया।

शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि पिछले कुछ महीने मेरे जीवन के सबसे कठिन समय थे। यह राजनीतिक धैर्य, त्याग, आत्म-संयम और समाज की उम्मीदों की परीक्षा थी। शिवपाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी की भावनाओं और जनभावना का सम्मान करते हुए हमने खुले दिल से समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था, किन्तु हमारे साथ विश्वासघात हुआ है। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि इस घात का ही परिणाम है कि आज समाजवादी पार्टी विपक्ष में बैठी है। हमारी पार्टी प्रगतिशील समाजवाद व समावेशी राष्ट्रवाद के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ेगी। राम के नाम पर विभाजन और नफरत की राजनीति की इजाजत किसी को नहीं है। पिछले कई दिनों से अखिलेश और शिवपाल में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था, जिसे लेकर अलग-अलग तरह के कयास शिवपाल के अगले कदम को लेकर लगाए जा रहे थे।

बसपा स्टार प्रचारकों की लिस्ट से सतीश मिश्रा का नाम गायब

» बसपा में साइडलाइन होने की अटकलें तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी में मायावती के बाद नंबर दो की पोजीशन पर रहने वाले सतीश चंद्र मिश्रा आजमगढ़ सीट पर होने वाले लोकसभा उपचुनाव में स्टार प्रचारकों की लिस्ट से उनका नाम गायब है। कल जारी 40 स्टार प्रचारकों की सूची की गई, लेकिन इसमें सतीश मिश्रा का नाम नहीं है। अब इसके बाद यह माना जा रहा है कि बसपा में सतीश चंद्र मिश्रा साइडलाइन हो गए हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में सतीश चंद्र मिश्रा ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने विधानसभा चुनाव में 150 से अधिक

चुनावी जनसभाएं की थीं। अब अटकलें तेज हैं कि आने वाले दिनों में कोई बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को भी मिल सकता हैं। बसपा ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जो जारी की है उसमें मायावती के बाद दूसरे नंबर पर प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर का नाम है। बता दें कि बसपा में आने के बाद से ही सतीश चंद्र मिश्रा हमेशा अहम भूमिका में नजर आए हैं। यह पहला मौका है जब उनका नाम स्टार प्रचारकों की सूची में नहीं है।

स्वामी प्रसाद मौर्य से ज्यादा अमीर हैं उनकी पत्नी

» दोनों को है असलहों का शौक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चल और अचल संपत्तियों के मामले में पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य से ज्यादा अमीर तो उनकी पत्नी शिवा मौर्य हैं। विधान परिषद चुनाव के नामांकन के समय उन्होंने जो हलफनामा लगाया है उसके अनुसार उनकी कुल चल संपत्ति 19.44 लाख रुपये की है जबकि उनकी पत्नी 83.51 लाख रुपये की मालकिन हैं। स्वामी के पास केवल एक बैंक खाता है वहीं, उनकी पत्नी के चार बैंक खाते हैं। अचल संपत्ति पर नजर डाली जाए तो स्वामी प्रसाद मौर्य के पास 1.23 करोड़ रुपये की है।

उनकी पत्नी के पास 6.57 करोड़ रुपये की संपत्ति है। पति-पत्नी दोनों ही असलहों के भी शौकीन हैं। दोनों के पास एक-एक रिवाल्वर व एक-एक रायफल है। स्वामी के पास भले ही कोई कार न हो लेकिन

कारों के शौकीन हैं मुकुल यादव

पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव के बेटे मुकुल यादव कारों के शौकीन हैं। उनके पास चार कारें हैं। इनमें दो इनोवा व दो स्कार्पियो हैं। एक ट्रैक्टर के भी मुकुल मालिक हैं। उनके पास 2.48 करोड़ रुपये की चल संपत्ति व करीब 7.49 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। उनके ऊपर 64 लाख रुपये की देनदारी भी है। रायफल व रिवाल्वर दोनों ही उनके पास हैं।

अंसारी के पास है एक करोड़ की संपत्ति

सपा के विधान परिषद प्रत्याशी मो. जासमीर अंसारी करीब एक करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति के मालिक हैं। उनके पास 32.62 लाख रुपये की चल व उनकी पत्नी पूर्व सांसद कैसर जहां के पास मात्र 4.20 लाख रुपये की है। जासमीर के पास अचल संपत्ति 2.95 लाख रुपये की है जबकि उनकी पत्नी के पास 64.50 लाख रुपये की है। अंसारी के पास फोर्ड इंडिवर कार के अलावा एक रिवाल्वर भी है।

उनकी पत्नी एक कार की मालकिन जरूर हैं। उनके पास 7.80 लाख रुपये की ज्वेलरी भी है। वहीं सपा के एमएलसी प्रत्याशी शाहनवाज खान करीब 9.50 करोड़ रुपये के मालिक हैं। उनके पास चल संपत्ति 1.45 करोड़ रुपये की है जबकि उनकी पत्नी निदा खान के पास 93 लाख रुपये की है। उनके पास अचल संपत्ति भी 5.99 करोड़ व उनकी पत्नी के पास 1.15 करोड़ रुपये की है। शाहनवाज के पास बीएमडब्ल्यू कार व एक जिप्सी कार है। वह एक ट्रैक्टर के भी मालिक हैं।

राजनीति में दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं : रेवती रमण सिंह

» टिकट न मिलने पर छलका सपा के वरिष्ठ नेता का दर्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज लौटने पर अपनों के बीच पहुंचे सपा के वरिष्ठ नेता रेवती रमण सिंह का राज्य सभा का टिकट नहीं मिलने का दर्द छलक पड़ा। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रति उनके तेवर ज्यादा तल्ख रहे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब मुलायम सिंह यादव का दौर नहीं रहा। पिछले चार चुनावों के नतीजे सामने हैं। अखिलेश यादव को हार की समीक्षा करनी चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है। हालांकि, नए सियासी सफर को लेकर उन्होंने अभी पत्ते नहीं खोले हैं। कहा कि समर्थकों से राय के बाद निर्णय लेंगे।

रेवती रमण सिंह की राज्य सभा की सदस्यता जुलाई में खत्म हो रही है। पार्टी ने उन्हें दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया है। ऐसे में सपा में उनकी सियासी पारी को खत्म माना जा रहा है। इससे नाराज समर्थकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस्तीफे का दौर भी शुरू हो गया है। इस मौके पर रेवती रमण ने कहा कि यह नई सपा है। पिछले चुनावों के नतीजे अच्छा संकेत नहीं दे रहे। मुलायम सिंह होते तो पार्टी की यह स्थिति नहीं होती। अखिलेश को यह समझना चाहिए कि आखिर उनसे कहां गलती हो रही है। उन्होंने कहा कि बिना बातचीत किए ही अखिलेश ने टिकट काट दिया। जबकि, कई बार वादा किया था कि उन्हें दोबारा राज्यसभा भेजा जाएगा।

विधान परिषद चुनाव: सपा प्रमुख ने साधे जातीय समीकरण, मुस्लिम वोटों की गोलबंदी पर भी नजर

» मौर्य वोटों पर पकड़ रखने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य को दिया मौका

» चार सीटों में दो मुस्लिम प्रत्याशियों को उतार दिया बड़ा संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद चुनाव के जरिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने न केवल जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश की बल्कि चार सीटों में दो पर मुस्लिम प्रत्याशियों को उतारकर मुस्लिम वोटों की गोलबंदी भी कर दी है। सपा प्रमुख ने मौर्य वोटरों पर अच्छी पकड़ रखने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य को मौका दिया और उन्हें विधान परिषद चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है।

विधान परिषद में 6 जुलाई को 13 सदस्यों का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। इसके लिए 20 जून को चुनाव होना है। इन 13 सीटों पर संख्या बल के गणित से सपा के खाते में चार सीटें आ सकती हैं। सपा प्रमुख ने उच्च सदन के चेहरों को तय करते वक्त जातीय समीकरण का खास ध्यान रखा है। विधान सभा चुनाव से पहले योगी सरकार में मंत्री पद छोड़कर स्वामी प्रसाद मौर्य ने साइकिल की सवारी की थी। वे विधान सभा चुनाव हार गए थे। अब सपा प्रमुख ने उनको विधान परिषद भेजकर अपने सहयोगियों को यकीन दिलाया कि सपा उनका ख्याल रखती है। इससे पहले वह अपने बड़े सहयोगी रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को भी राज्य सभा भेज चुके हैं। अखिलेश यादव ने सोबरन सिंह यादव के बेटे मुकुल यादव को प्रत्याशी बनाया है। शाहनवाज खान उर्फ शब्बू आजम खां के नजदीकी सहारनपुर निवासी सरफराज खान के बेटे हैं। इन्हें विधान परिषद भेजने के पीछे अखिलेश यादव की मंशा आजम से अपनी नजदीकी दिखाने के साथ-साथ मुस्लिम समाज को संदेश देने की भी है। विधान सभा चुनाव में इस समाज ने अखिलेश पर भरोसा जताते हुए एकतरफा वोटिंग की है। लिहाजा अखिलेश उन्हें अब किसी कीमत पर अलग नहीं करना चाहते हैं। वहीं जासमीर अंसारी को प्रत्याशी बनाकर अंसारी वोट को साधने की कोशिश की है।

20 जून को होंगे चुनाव

विधान परिषद की 13 सीटें छह जुलाई को रिक्त हो रही हैं। इनमें सर्वाधिक छह सीटें सपा, भाजपा तीन, बसपा तीन, और कांग्रेस की एक सीट शामिल है। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 सीटों के चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच 10 जून व नाम वापसी 13 जून को होगी। 20 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। यूपी में 13 सीटों में से 9 पर भाजपा का जीतना तय माना जा रहा है। वहीं, सपा को चार सीट मिलने का अनुमान है।

विपक्षी दलों की भी है नजर

उत्तर प्रदेश की सियासत में मुस्लिम वोट बैंक एकतरफा जिसे पड़ेगा उसकी चुनाव में बल्ले-बल्ले है। इस बात को सपा प्रमुख अखिलेश यादव बखूबी जानते हैं और इसीलिए इन दिनों मुस्लिम वोटों को लेकर अलर्ट हो गए हैं क्योंकि दूसरे विपक्षी दलों की नजर भी इस 20 फीसदी वोट बैंक पर है। बसपा प्रमुख मायावती लगातार मुस्लिमों के पक्ष में बयान देकर इस समाज को संदेश देने की कोशिश कर रही हैं।

आजमगढ़ को 24 की प्रयोगशाला बनाएगी बसपा

दलित-मुस्लिम समीकरण के सहारे चुनावी रण जीतने की कवायद

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा आजमगढ़ सीट खाली करने के बाद सपा ने धर्मेंद्र यादव को मैदान में उतारा है। भाजपा ने अपने पिछले चुनाव के ही प्रत्याशी दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ पर दांव खेला है। कांग्रेस चुनावी मैदान से बाहर है। उधर बसपा की ओर से पूरी ताकत लगाने से मुकाबला रोचक हो गया है। आजमगढ़ लोक सभा सीट पर होने जा रहे उप चुनाव का रण जीतने के लिए बसपा पूरी ताकत लगाने जा रही है। बसपा ने यहां दलित-मुस्लिम समीकरण साधने की कोशिश में शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को मैदान में उतारा है।

बसपा इस प्रयोग के सहारे लोक सभा चुनाव 2024 में भी अपनी स्थिति का मंथन करेगी और इसे चुनाव की प्रयोगशाला भी बनाएगी। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा व बसपा मिलकर चुनाव लड़े थे तो यहां से बसपा का वोट भी सपा की तरफ ही शिफ्ट हुआ था। यहां मुस्लिमों के अलावा बड़ी संख्या में दलित वोटर भी हैं। परिणाम यह रहा था कि अखिलेश भाजपा प्रत्याशी से लगभग पौने तीन लाख वोटों से जीते थे। इस बार बसपा उम्मीदवार जमाली मुबारकपुर विधान सभा सीट से 2012 व 2017 में बसपा के टिकट पर विधायक रह चुके हैं। उन्होंने 2022 विधान सभा चुनाव से पहले बसपा छोड़ दी थी। माना जा रहा था कि सपा से चुनाव लड़ेंगे पर वहां से टिकट नहीं मिल पाया। उन्होंने एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव लड़ा और हार गए। एआईएमआईएम के एकमात्र ऐसे प्रत्याशी थे जो अपनी जमानत बचा पाए थे। बाद में उन्होंने फिर से बसपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। जमाली पूर्व में मुलायम सिंह यादव के खिलाफ भी आजमगढ़ लोक सभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं।

दो बार विधायक रह चुके हैं गुड्डू जमाली

इन दिनों आजमगढ़ में एक नारा चर्चित है- लौट के गुड्डू घर को आए ऐसा नारा इसलिए क्योंकि शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली बसपा के टिकट पर 2014 के चुनावों में सपा के मुलायम सिंह और भाजपा के रमाकांत यादव के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि, तीसरे स्थान पर रहे लेकिन कड़ी टक्कर दी थी। इस चुनाव में मुलायम को 3 लाख 40 हजार वोट, भाजपा से रमाकांत को 2 लाख 77 हजार और गुड्डू जमाली को 2 लाख 66 हजार वोट मिले थे। 49 साल के गुड्डू जमाली साल 2012 से लेकर 2022 तक आजमगढ़ लोक सभा क्षेत्र की मुबारकपुर विधानसभा सीट से 2 बार विधायक रह चुके हैं। ये यूपी के सबसे अमीर विधायक भी रहे हैं। आजमगढ़ के 7 लाख 60 हजार दलित और मुस्लिम वोटर्स मिलकर इनकी नैया पार लगा सकते हैं।

माया‌वती का पूरा फोकस आजमगढ़ पर

बसपा रामपुर से चुनाव नहीं लड़ रही है तो ऐसे में पूरा फोकस आजमगढ़ पर किया जाएगा। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी कहा है कि इस चुनाव को मजबूती से लड़ा जाएगा। पार्टी का प्रयोग आजमगढ़ में सफल रहा तो माना जा सकता है कि 2024 के चुनाव में मुस्लिमों का रुझान बसपा की तरफ आ सकता है। मायावती बार-बार मुस्लिमों को यह संदेश दे रही हैं कि दलितों के साथ आए बगैर बात बनने वाली नहीं है। विधान सभा चुनाव यह साबित कर चुका है। आजमगढ़ उप चुनाव में भी यही संदेश दिया जाएगा।

जातीय समीकरण को देखते हुए कांटे का होगा मुकाबला

उपचुनाव को लेकर बसपा नेता कहते हैं कि झूठ की बुनियाद पर राजनीति करने वालों को जनता जवाब देगी। आजमगढ़ के लोगों ने हमेशा देश की राजनीतिक दिशा को बदला है। इस बार फिरकापरस्त ताकतों को उखाड़ फेंकने का काम आजमगढ़ की जनता करेगी। भाजपा की बसपा से लड़ाई के सवाल पर कहा कि हो सकता है उनका मुकाबला दूसरे और तीसरे नंबर के लिए हो रहा हो। आजमगढ़ में मुकाबला त्रिकोणीय दिखायी पड़ रहा है। जातीय समीकरण को देखते हुए मुकाबला कांटे का होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महंगाई के बोझ से कराहता आम आदमी

महंगाई के मोर्चे पर भारतीय रिजर्व बैंक ने भी जनता को एक बड़ा झटका दिया है। उसने रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि कर दी है। इसके कारण होम, कार और पर्सनल लोन महंगा हो जाएगा। बैंक ने खुदरा महंगाई दर में 7.5 फीसदी के इजाफे का अनुमान भी जताया है। जाहिर है इसका सीधा असर लोगों पर पड़ेगा और पहले से ही महंगाई से जूझ रही जनता इसके बोझ से दब जाएगी। सवाल यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक को रेपो रेट में वृद्धि क्यों करनी पड़ी? महंगाई पर सरकार लगाम क्यों नहीं लगा रही है? क्या बेरोजगारी से जूझती जनता महंगाई का बोझ देर तक संभाल पाएगी? क्या महंगाई के कारण लोगों की क्रय शक्ति पर नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा? क्या दीर्घकाल तक जारी महंगाई देश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार नहीं देगी? क्या यूक्रेन-रुस युद्ध और विश्व में खाद्यान्न कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हालात लगातार खराब हो रहे हैं? लोगों को राहत देने के लिए सरकार कोई ठोस समाधान क्यों नहीं पेश कर रही है?

कोरोना काल ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया है। लंबे लॉकडाउन ने उद्योग-धंधों को ठप कर दिया था। इसके कारण लाखों लोगों की नौकरियां चली गयीं। अब जब हालात कुछ सामान्य हुए हैं तो महंगाई की मार ने आम आदमी को बेहाल कर दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने कच्चे तेल की कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया है। वह 110 डॉलर प्रति बैरल से अधिक पर बिक रहा है। इसके कारण पेट्रोल-डीजल के दामों में तेजी से इजाफा हुआ। इसने सभी वस्तुओं के दामों में उछाल ला दिया है। खाद्य पदार्थों से लेकर दवाओं तक के दामों में इजाफा हो चुका है। इस सबका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। देश की अर्थनीति को दुरुस्त रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को कड़े कदम उठाने पड़ रहे हैं। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी मानते हैं कि ईंधन के बढ़ते दामों की वजह से रेपो रेट में वृद्धि करनी पड़ी है। जाहिर है आने वाले दिनों में भारतीय जनता को लोन चुकाने में अपनी जेबें ढीली करनी पड़ेंगी। बावजूद इसके सरकार को चाहिए कि वह महंगाई पर नियंत्रण लगाने के लिए ठोस रणनीति बनाए क्योंकि महामारी काल में जनता लंबे समय तक महंगाई झेलने में सक्षम नहीं है। सरकार को चाहिए कि वह लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए न केवल व्यापक स्तर पर रोजगार का सृजन करे बल्कि स्वरोजगार के लिए सस्ती दरों पर लोन उपलब्ध कराए। इसके अलावा उसे कुछ समय के लिए कीमतों पर नियंत्रण लगाना होगा। सरकार को समझना होगा कि लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाए बिना महंगाई से नहीं निपटा जा सकता है।

“ सवाल यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक को रेपो रेट में वृद्धि क्यों करनी पड़ी? महंगाई पर सरकार लगाम क्यों नहीं लगा रही है? क्या बेरोजगारी से जूझती जनता महंगाई का बोझ देर तक संभाल पाएगी? क्या महंगाई के कारण लोगों की क्रय शक्ति पर नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा? क्या दीर्घकाल तक जारी महंगाई देश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार नहीं देगी?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सांप्रदायिक संकीर्णताओं से मुक्ति की राह

राजेश रामचंद्रन

चौंकाने वाली बात है कि कश्मीर में मजहब आधारित हत्याएं आए दिन होने लगी हैं। वहां के अल्पसंख्यकों को नियोजित ढंग से निशाना बनाया जा रहा है। इसे पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकी संगठनों का कारनामा ठहराकर कम आंकने की बेवकूफी करना ठीक नहीं। ये कट्टरवादियों द्वारा मजहबी नफरत के आधार पर की जाने वाली हत्याएं हैं और इनमें कश्मीर के लोग अपरोक्ष रूप से शामिल हैं। ये हत्याएं तब तक नहीं हो सकतीं जब तक स्थानीय लोग विदेशी लड़ाकों या कश्मीरी हत्यारों को घाटी में बाहर के लोगों की शिनाख्त न करवाएं। हत्याओं की जिम्मेदारी लेते वक्त आतंकी गुट इन्हें 'अंदरूनी-सूचना आधारित अभियान' बताते हैं, असल में यह काम करने का नया तरीका है। जिस 'अंदरूनी सूचना' का इशारा हत्यारे करते हैं वह 'अंदरवालों' का काम है फिर चाहे यह स्कूल हों जिनमें सिख महिला सुपिंदर कौर प्रिंसिपल थीं या पंडित दीपक चंद या दलित रजनी बाला पढ़ाती थी या फिर वह सरकारी दफ्तर जहां पर राहुल भट्ट काम करते थे या फिर बैंक की वह ब्रांच जिसका प्रबंधन विजय कुमार किया करते थे।

जिस तरह 'अंदरूनी सूचना' की मदद से हत्यारे अपने काम को बिना गलती किए अंजाम दे पाते हैं, उससे अंगुली मृतकों के साथी शिक्षकों, या छात्रों, सहयोगियों या स्थानीय लोगों की ओर उठती है। यहां उन सभी पर सांप्रदायिक होने का ठप्पा लगाना आसान है, क्या पता हों भी। अनुच्छेद 370 हटाना, लंबे कर्फ्यू में घरों में कैद होना, राजनीतिक गतिविधियों का निलंबन, परिसीमन प्रक्रिया और विधान सभा का चुनाव अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने स्थानीय लोगों का मोहभंग हुआ है, जिन्हें लगा कि अपनी जिंदगी के लिए जरूरी राज-काज व्यवस्था में उनकी हिस्सेदारी की कोई भूमिका नहीं रही। यह कोई संयोग नहीं है कि नियोजित हत्याएं ऐसे वक्त होने लगी हैं जब कश्मीर में सैलानियों की चहल-पहल है और एक लंबे अर्से के बाद कमाई वाला सीजन है लेकिन पर्यटकों को निशाना नहीं बनाया जा रहा है क्योंकि यहां सारा धंधा स्थानीय कश्मीरी चला रहे हैं। अलबत्ता प्रशासनिक व्यवस्था या सरकारी कर्मचारियों को निशाना बनाया गया। इसलिए कट्टरवादी हत्यारे तक की नफरत नपी-तुली है, जो पर्यटन से होने वाले नफे का विश्लेषण और सरकार की मुखालफत करने की जरूरत के मुताबिक तय की जाती है।

राजनीतिक प्रक्रिया इसका एकमात्र उत्तर है। इसके लिए वहां ऐसा

विशेषज्ञ मध्यस्थ और मेधावी प्रशासक हो जिसके पास अनुभव एवं प्रौढ़ता हो, जो वास्तव में धर्म-निरपेक्ष और असंतुष्ट लोगों के प्रति संवेदनशील हो न कि वैसा कोई जिसे केवल हिंदी भाषी क्षेत्र में व्याप्त राजनीतिक पैंतरेबाजी करनी आती हो।

जिन लोगों ने पिछले सालों के दौरान कश्मीर में यथास्थिति बनाए रखी, उनकी आलोचना करना सरल है जबकि एक समस्याग्रस्त क्षेत्र में यथा स्थिति कायम रखना भी अपेक्षाकृत शांति होती है, अल्प ही सही,किंतु जिसमें सौहार्द्रता एवं जीवन का पूर्वानुमान वाला अवयव हो। पर वह सब अब खो गया है। अब हरेक अध्यापक, सरकारी बाबू या बैंककर्मी हत्यारों को 'अंदरूनी सूचना' देने वाला कार्यकारी मुखबिर है। जब हर शख्स मुखबिरी पर उतर आए- चाहे सांप्रदायिक हत्यारों के लिए या सरकार के वास्ते - तब उस समाज की आत्मा पतित हो जाती है। हालांकि ऐसा करने के पीछे वे तर्क देते हैं कि उस सरकार की मनमानी भुगतनी पड़ रही है जो उनसे कटी हुई, सांप्रदायिक और गैर-निर्वाचित है। एक कट्टरवादी नीति समाज में हर किसी को कट्टर बना डालती है। केरल में जिस तरह इस्लामिस्ट ऑर्गेनाइजेशन पीपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित रैली में हिंदुओं और ईसाइयों को मार डालने के भद्दे नारों में भी 'आज़ादी' का संदर्भ आया, इससे केवल यही सिद्ध होता है कि जितना सख्त बहुसंख्यकों का कट्टरपना होता जाएगा उतनी ही कड़ी प्रतिक्रिया अलपसंख्यक वर्ग की आएगी। कश्मीर से चलकर केरल पहुंचे कट्टरवाद में फर्क यही आया है कि वहां इसको वामपंथ ने मुख्यधारा का रूप दे दिया है, यहां तक कि विगत में आतंकी गतिविधियों के संदिग्ध अब्दुल नासिर मदनी के साथ राजनीतिक गठबंधन किया। अब बहुसंख्यक कट्टरवादियों के अलावा वह जिन्होंने 'आजादी' के नारे को वैधता दी, उन्हें अब जोर से ध्यान देने की जरूरत है। इस्लामवादियों द्वारा की गई सांप्रदायिक हत्याओं का सामान्यीकरण करने में उनकी अपनी हरकतों का कितना योगदान रहा? यही वह चीज़ है, जो कश्मीर में 'आज़ादी' की मांग के खतरे को महसूस करने की जरूरत बताती है।

गर्मी, सड़क हादसे और हम

कृष्ण प्रताप सिंह

यह तो अध्ययन का विषय है कि सड़क हादसों का मौसम से कोई संबंध होता है या नहीं लेकिन हम अपने अनुभव से जानते हैं कि गर्मी में ये हादसे बढ़ जाते हैं। भले ही तब सड़कों पर जाड़े या बरसात जैसी कोहरे या जलभराव वगैरह की दुश्वारियां नहीं होतीं। मोटे तौर पर इसके जो कारण हमें पता हैं, उनमें से सड़कों पर ट्रैफिक का बढ़ जाना और चालकों का बारिश और कोहरे के दौर वाली सावधानियों के प्रति लापरवाह हो जाना। एक रिपोर्ट के अनुसार, गर्मियों में बारिश की तुलना में 15 से 20 फीसदी और कोहरे की तुलना में दो से तीन फीसदी अधिक हादसे होते हैं। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बरेली में एक एम्बुलेंस को निरापद रास्ता उपलब्ध कराने का कर्तव्य भूल कर एक ड्राइवर ने अपना ट्रक उससे ला भिड़ाया, जिससे कई लोगों की मौत हो गयी। बहराइच जिले में भी ऐसी एक घटना हुई।

ऐसे हादसों से गुजरने के बाद कोई भी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के उन आंकड़ों के राहत भरे संकेतों से आश्वस्त नहीं हो सकता है कि देश में धीरे-धीरे सड़क हादसे कम होने लगे हैं। साल 2017 में 4,64,910 हादसे हुए थे, 2018 में यह आंकड़ा बढकर 4,67,044 हो गया जबकि 2019 में 4,49,002 और 2020 में 3,66,138 हादसे हुए. वर्ष 2021 के अधिकृत आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन विशेषज्ञों का अनुमान है कि उनमें संख्या 2020 से कम ही होगी। दूसरे पहलू से देखें तो 2020 में सड़क हादसों में आयी कमी का कारण कोरोना के कारण लगा देशव्यापी लॉकडाउन था। उसके बावजूद विश्व बैंक के एक अध्ययन से निकला यह तथ्य भी अभी तक अपरिवर्तित है कि देश में वाहन तो दुनिया के सिर्फ एक फीसदी हैं, लेकिन सड़क हादसों में दुनियाभर में होनेवाली मौतों में भारत का हिस्सा 11 प्रतिशत है।

इनमें 76.2 प्रतिशत लोगों की उम्र 18 से 45 साल के बीच होती है यानी वे कामकाजी आयु वर्ग के होते हैं और उनकी प्राण रक्षा हो पाए, तो वे देश की आर्थिक प्रगति की संभावनाओं के नये द्वार खोलने में भूमिका निभा सकते हैं। बड़ी संख्या में हादसों में घायल लोग विकलांग व पराश्रित हो जाते हैं। इससे भी सामाजिक व आर्थिक क्षतियां होती हैं। पिछले एक दशक में देश में लगभग 14 लाख लोग सड़क हादसों में मारे गये हैं और अब भी हम हर साल सड़क हादसों में उतने लोगों को गंवा रहे हैं, जितने अब तक के किसी युद्ध में सैनिक नहीं गंवाये। संभवत: इस सबके मद्देनजर ही सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में कहा था कि अभी देश में सड़क हादसों में रोजाना 415 लोग मारे जा रहे हैं अगर हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे तो 2030 तक 6-7 लाख और लोग बलि चढ़ जायेंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी थी कि उनके मंत्रालय ने केंद्र व राज्यों के विभिन्न मंत्रालयों व विभागों के साथ मिलकर एक महत्वाकांक्षी कार्ययोजना बनायी है, जिसमें सड़क हादसों की संख्या को चरणबद्ध ढंग से घटाते हुए 2025 तक आधी और 2030 तक एकदम खत्म कर देना है। हम जानते हैं कि सड़कों पर हादसों के कारणों को दूर करने को लेकर आम लोगों में जागरूकता तथा सरकारी अमले में कर्तव्यनिष्ठा का अभाव है, अन्यथा सड़कों पर गड्ढों के कारण ही रोजाना दस लोगों को जान नहीं गंवानी पड़ती।

सड़क हादसों के अन्य कई कारण भी हैं, मसलन- तय गति सीमा का उल्लंघन, ड्राइविंग के वक्त मोबाइल का उपयोग या शराब वगैरह का नशा, ओवरलोडिंग, वाहनों की खस्ताहाली, सड़कों पर रोशनी की खराब स्थिति, ओवरटेक करना, नियम-कायदों की उपेक्षा, मौसम की स्थिति, मानवीय भूल-चूक वगैरह। एक रिपोर्ट के अनुसार, 70 फीसदी हादसे ओवर स्पीडिंग और पांच प्रतिशत गलत दिशा में वाहन चलाने से होते हैं। ताज्जुब कि 72 फीसदी से अधिक हादसे धूप व साफ मौसम के बीच होते हैं। यह तथ्य भी गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर राज्यीय राजमार्गों के मुकाबले अधिक हादसे होते हैं। तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक की सड़कों पर सबसे ज्यादा हादसे होते हैं। संभवत: इसलिए कि सामंती मूल्यों की वह जकड़न इन्हीं प्रदेशों में सबसे ज्यादा है, जिसके तहत नियमों के पालन की बजाय उन्हें तोड़ने में ज्यादा शान समझी जाती है। इससे गैरजिम्मेदार ढंग से चलने की प्रवृत्ति बढ़ती है, जो हादसों का कारण बनती है।

यहां नितिन गडकरी से सहमत हुआ जा सकता है कि यह स्थिति तभी बदलेगी जब 2030 तक हादसों के उन्मूलन के लिए बनी कार्ययोजना पर ठीक से अमल हो और हादसों के कारण समाप्त करने में किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। यह अच्छी बात है कि सड़क हादसों को घटाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर भी विचार किया जा रहा है ताकि हादसों में मानवीय भूलों की भूमिका घटायी जा सके। निस्संदेह, टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग की मदद से सड़क सुरक्षा की चुनौती का बेहतर मुकाबला किया जा सकता है, लेकिन यह इस सवाल से नजरें चुराकर कतई संभव नहीं कि हम इस चुनौती को लेकर वास्तव में कितने गंभीर हैं। हर वर्ष 11 से 17 जनवरी तक सड़क सुरक्षा दिवस, सप्ताह या माह मनाकर साल भर सारे एहतियात भूले रहने की हमारी आदत से तो किसी गंभीरता के दर्शन नहीं होते।

जहीर इकबाल संग शादी पर बोलीं सोनाक्षी, कहा-

रोका, मेहंदी, संगीत सब फिक्स

बॉलीवुड | मसाला

जहीर इकबाल द्वारा सोनाक्षी सिन्हा संग अपने रिश्ते को इंस्टाग्राम पर आधिकारिक बनाए जाने के बाद से ही अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। वहीं इस सब के बीच सोनाक्षी सिंहा का रिएक्शन आया है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मजेदार वीडियो पोस्ट कर अपनी शादी की खबरों पर कमेंट किया है। सोनाक्षी द्वारा साझा किए गए वीडियो में अभिनेत्री एक कमरे में बैठी गहरी सोच में नजर आ रही हैं। वहीं वीडियो की क्लिप पर लिखा है, मी टू मीडिया। क्यों हाथ धोकर मेरी शादी करना चाहते हो ? वीडियो के कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा है, प्रपोजल, रोका, मेहंदी, संगीत सब फिक्स कर ही लिया है तो कृपया मुझे बता दो।

जहीर इकबाल ने किया रिएक्ट

बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा के इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, उनके कथित बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल ने कमेंट में हंसने वाले इमोजी पोस्ट किए हैं। बता दें कि सोनाक्षी की पोस्ट ज़हीर के साथ अपने संबंधों की पुष्टि करने के कुछ ही घंटों बाद आई है। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने वीडियो से यह तो साफ कर दिया है कि वह अभी जहीर इकबाल से शादी नहीं करने वाली हैं। हालांकि अभी तक जहीर इकबाल संग अपने रिश्ते पर उन्होंने कोई रिएक्शन नहीं दिया है। वहीं सोनाक्षी सिन्हा के मजेदार रिएक्शन वाला यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के प्रशंसकों को अभिनेत्री का यह अंदाज काफी पसंद आ रहा है। यूजर्स अभिनेत्री की पोस्ट पर कमेंट कर लिख रहे हैं, सो क्यूट सोना.....फनी। सोनाक्षी सिन्हा के बारे में बता दें कि उनकी पहली फिल्म दबंग सलमान खान के साथ आई थी। इसके बाद सोनाक्षी कई हिट फिल्में दे चुकी है। फिलहाल सोनाक्षी की शादी के खबरों पर सभी लोग चुप है।

अरसे बाद जूही चावला की पर्दे पर हो रही वापसी

जूही चावला बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने अपना एक मुकाम हासिल किया है। जूही चावला ने कई सुपरहिट फिल्में देकर अपनी एक अलग पहचान बनाई हैं। वहीं वो अपनी खूबसूरती को लेकर भी छाई रहती हैं। एक्ट्रेस के अंदाज के आज भी लोग दीवाने हैं। वहीं अब उन्हें लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है, जिसे सुनकर फैंस में एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है। दरअसल, फरहान अख्तर की आने वाले वेब सीरीज 'फाइडे नाइट प्लान' में एक्ट्रेस जूही चावला नजर आने वाली हैं। वेब सीरीज में अपने एक्ट्रेस की शामिल होने की जानकारी खुद जूही चावला ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है। जूही चावला ने ट्विटर हैंडल पर गिफ्ट की झलक दिखाई है जो कि निर्माताओं ने उन्हें दिया है। इस वीडियो में आप देख सकते है कि एक वेलकम कार्ड दिख रहा है जिसमें मेकर्स उनका स्वागत कर रहे हैं। इसी के साथ मेकर्स ने उन्हें एक नोट भी भेजा है जिसमें लिखा है कि, 'जूही, हम आपको फाइडे नाइट प्लान की टीम में जोड़ने पर बहुत ही उत्साहित हैं। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर जूही चावला ने फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी का शुक्रिया अदा किया। एक्ट्रेस ने लिखा, 'इस खास तरीके से स्वागत के लिए रितेश और फरहान अख्तर आपका धन्यवाद। जल्द मिलते है एक्सेल मूवीज पर।' 'फ्राइडे नाइट प्लान' वेब सीरीज एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई जा रही है और इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने से शुरू हो चुकी है। बता दें कि जूही चावला ने साल 1986 में अपने करियर की शुरुआत थी।

बॉलीवुड | मन की बात

कार्तिक आर्यन ने अपने करियर को लेकर किया खुलासा

कार्तिक आर्यन इन दिनों सफलता के सातवें आसमान पर हैं। 20 मई को रिलीज हुई उनकी फिल्म भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही हैं, जिसको लेकर अभिनेता खासे उत्साहित हैं। अब उन्होंने ट्विटर पर आस्क कार्तिक सेशन को होस्ट किया था। जिसमें फैंस ने उनके कई दिलस्पल सवाल पूछे, जिनका कार्तिक ने काफी बेबाकी से जवाब दिया। सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा कि भूल भुलैया 2 और सोनू के टीटू की स्वीटी में किसी एक को चुनो। इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेता ने लिखा, मैं दोनों को चुनूंगा, क्योंकि दोनों ने ही मेरी मार्केट में डिमांट को बढ़ा दी। एक फैन ने पूछा फिल्म की 150 करोड़ की कमाई में से आपको कितना प्रॉफिट शेयर मिल रहा है? इस दिलचस्प सवाल का चालाकी से जवाब देते हुए लिखा, 150 करोड़ में प्रॉफिट नहीं फैंस का प्यार मिला है। कोई नंबर उससे बढ़ा नहीं होता। साथ ही एक फैंस ने उनसे सुपरहीरो के बारे में भी पूछा, जिसको निभाना पसंद करेंगे- थोर कैप्टन अमेरिका, स्पाइडरमैन, डॉक्टर स्ट्रेंज? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि, वो स्पाइडी का किरदार निभा चाहेंगे। हाल ही में कार्तिक आर्यन आरजे सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में सवाल का जवाब देते हुए खुलासा किया और कहा, जब मुझे इस तरह (किंग) के टाइटल है, तो खुशी होती है। रही बात इंडस्ट्री के किंग की तो, मुझे नहीं लगता कि मैं किंग शब्द को कभी स्वीकार करूंगा। मुझे अभी लंबा रास्ता तय करना है और इसलिए ये कहना जल्दबाजी होगा। कार्तिक आर्यन की ये फिल्म अब तक बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर चुकी हैं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ने रूह बाबा का अतरंगी किरदार निभाया है, जबकि कियारा आडवाणी ने मंजुलिका की भूमिका अदा की है। फिल्म में कार्तिक और कियारा के अलावा सौरभ शुक्ला, राजपाल यादव, तब्बू ने भी मुख्य किरदार निभाया है।

इस शराबी मुर्गे के आगे इंसान भी फेल! बिना दारू पीए नहीं शुरू होता दिन

शराब बहुत खराब चीज होती है। अगर किसी इंसान को शराब की लत लग जाए तो पूरा जीवन बर्बाद हो जाता है। कई बार जानवरों को अजीब शौक लग जाते हैं। इन दिनों ऐसे ही एक मुर्गे की खबर वायरल हो रही है। दरअसल, इस मुर्गे को शराब की लत लग गई है। अब हालत यह है कि शराब के मामले में इस मुर्गे के सामने अच्छे-अच्छे शराबी फेल हैं। इस मुर्गे के दिन की शुरुआत ही शराब से होती है। यह शराबी मुर्गा महाराष्ट्र का है। यह मुर्गा शराब का इतना बड़ा शौकीन है कि अगर उसे रोजाना दारू ना मिले तो वह कुछ भी खाने-पीने से इनकार कर देता है। यह पूरा मामला महाराष्ट्र के भंडारा जिले के पिपारी गांव का है। यहां एक किसान के घर में रहने वाले मुर्गे की दिन की शुरुआत बिना शराब के होती ही नहीं है। दरअसल किसान भाऊ कातोरे को मुर्गी पालन का भी शौक है। उन्होंने बहुत सारी मुर्गियां और मुर्गे पाले हुए हैं। उनका एक मुर्गा शराब का इतना बड़ा आदी हो गया कि वो रोज दारू पीये बिना रह नहीं सकता। यह मुर्गा अपनी शराब की लत की वजह से सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि मुर्गे के मालिक ने अपनी लाइफ में कभी शराब को छुआ तक नहीं, लेकिन अपने शराबी मुर्गे के लिए रोजाना दुकान पर जाकर शराब खरीदता है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ महीने पहले एक बीमारी की वजह से भाऊ कातोरे के कई सारे मुर्गे और मुर्गियों मर गई थीं। ऐसे में उन्होंने किसी से जानकारी के आधार पर इलाज के तौर पर अपने कुछ मुर्गों को शराब पिलाना शुरू कर दिया। इसके बाद बाकी मुर्गे की तरह ये मुर्गा भी ठीक तो हो गया, लेकिन वो शराब का आदी बन गया। अब अगर इस मुर्गे को शराब ना मिले तो वो दाना-पानी तक लेना बंद कर देता है। मुर्गे की शराब की लत को पूरी करने के लिए किसान भाऊ उसको रोजाना दारू पिलाते हैं। उन्होंने कहा कि यह मुर्गा अब परिवार का सदस्य जैसा हो गया है, इसलिए उसकी रोजाना पूर्ति करनी पड़ती है। अपने मुर्गे के बारे में बताते हुए भाऊ ने आगे कहा मुर्गा बिना शराब के पानी पीने को भी तैयार नहीं है। मुझे शराब के लिए हर महीने 2,000 रुपए खर्च करने पड़ते हैं।

अजब-गजब | चमत्कारी है कश्मीर का खीर भवानी मंदिर

संकट आने पर बदल जाता है इस मंदिर के कुंड के पानी का रंग

भारत के पवित्र धरती पर कई ऐसे मंदिर स्थित हैं जो अपने दुर्लभ चमत्कारों के वजह से प्रसिद्ध हैं। इन्हीं मंदिरों में से एक माता खीर भवानी मंदिर है जो कश्मीर की वादियों में चिनार के पेड़ों से घिरा हुआ है। कश्मीर में टारगेट किलिंग की बढ़ती घटनाओं के बीच आज 7 जून को यहां मेले का आयोजन किया जा रहा है। यहां हर साल मेले का आयोजन होता है। प्रसिद्ध राग्या देवी मंदिर में आयोजित होने वाला वार्षिक खीर भवानी मेला विस्थापित समुदाय के सबसे बड़े धार्मिक कार्यक्रमों में से एक माना जाता है। यह मंदिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, चमत्कार और धार्मिक आस्था के कारण प्रख्यात है। मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर दिव्य शक्तियों से परिपूर्ण है। ऐसा कहा जाता है कि जब भी कश्मीर पर कोई मुसीबत आने वाली होती है तब माता खीर भवानी आपदा के आने का संदेश देती हैं। ऐसी मान्यता है कि जब भी कोई संकट आता है तब इस मंदिर में स्थित कुंड का पानी अपना रंग बदलने लग जाता है। लोगों का मानना है कि इस मंदिर की जड़ें रामायण काल से जुड़ी हुई हैं। इस चमत्कार के आगे विज्ञान ने भी अपने घुटने टेक दिए हैं। श्रद्धालु यहां दूर-दूर से मां दुर्गा के राग्या रूप के दर्शन करने आते हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि, यह मंदिर दिव्य शक्तियों से परिपूर्ण है और यहां पर स्थित कुंड चमत्कारी है। जब भी कश्मीर के ऊपर काले बादल छाने लगते हैं तब कुंड के पानी का रंग काला या लाल हो जाता है।

खुशहाली का भी देता है संकेत

बताया जाता है कि वर्ष 2014 में जब कश्मीर भयंकर बाढ़ से प्रभावित हुआ था तो इस कुंड का पानी काला हो गया था। वहीं जब कारगिल युद्ध छिड़ गया था तब इस कुंड का पानी लाल रंग में बदल गया था। ऐसा नहीं है कि यह कुंड सिर्फ संकट या विपदा का ही संकेत देता है बल्कि यह खुशहाली का भी संकेत देता है। लोगों का कहना है कि आर्टिकल 370 के हटने से इस कुंड का पानी हरा हो गया था। ऐसी मान्यता है कि जब इस कुंड का पानी हरा हो जाता है तब यह खुशहाली का संकेत है।

रावण से नाराज होकर कश्मीर आई थीं देवी खीर भवानी

पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण, देवी खीर भवानी का परम भक्त था। जब रावण ने देवी सीता का हरण किया था तब रावण से नाराज होकर माता खीर भवानी लंका से कश्मीर आ गई थीं। यह भी कहा जाता है कि देवी खीर भवानी ने राम भक्त हनुमान से यह अनुरोध किया था कि उनकी प्रतिमा को किसी दूसरे स्थान पर स्थापित कर दिया जाए। देवी की बात मानकर हनुमान जी ने उनकी प्रतिमा को कश्मीर के तुलमुल जगह पर स्थापित कर दिया था। देवी खीर भवानी के दर्शन करने के साथ श्रद्धालु उन्हें खीर का भोग लगाते हैं। ऐसी मान्यता है कि खीर का भोग लगाने से देवी खीर भवानी अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करती हैं। यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को खीर का प्रसाद बांटा जाता है।

रात में आपको भी उठकर बार बार जाना पड़ता है टॉयलेट ?

इन बीमारियों का है संकेत

अक्सर लोगों को रात में सोते समय बार-बार पेशाब आने की समस्या का सामना करना पड़ता है। अगर आपके साथ ही भी ऐसा ही कुछ होता है तो यह किसी गंभीर बीमारी की तरफ इशारा करता है। रात के समय बार-बार पेशाब आना हाई ब्लड प्रेशर का भी संकेत हो सकता है।

रात में बार -बार नींद का खुलना

कुछ लोग रात के दौरान बार-बार पेशाब करते हैं क्योंकि वह जरूरत से ज्यादा बार रात के बीच में जगते हैं। ज्यादा बार जागने के कारण वह बाथरूम भी ज्यादा बार जाते हैं। लेकिन इसका उनके ब्लैडर हेल्थ से कोई लेना- देना नहीं होता।

ब्लैडर की कैपेसिटी कम होना

रात के समय बार-बार पेशाब आने का मतलब आपके ब्लैडर की कैपेसिटी कम होना भी हो सकता है। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे इंफेक्शन या सूजन आदि। इसकी वजह से ही आपको बार-बार यूरिन पास करने की जरूरत महसूस होती है। इसके अलावा, ओवरएक्टिव ब्लैडर और ब्लैडर में रुकावट भी लो ब्लैडर कैपेसिटी का कारण हो सकता है। BMJ जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नोक्टूरिया बीमारी से पीड़ित मरीजों को आमतौर दोनों ही समस्याओं नॉकटर्नल पॉलीयूरिया और लो ब्लैडर कैपेसिटी का सामना करना पड़ता है।

बाकी लोगों की तुलना में आपका शरीर ज्यादा बनाता है यूरिन

कई बार नॉकटर्नल पॉलीयूरिया बीमारी के कारण भी आपको रात में बार-बार यूरिन आने की समस्या का सामना करना पड़ता है। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के मुताबिक, नॉकटर्नल पॉलीयूरिया एक ऐसा सिंड्रोम है जिसमें दिन और रात के यूरिन प्रोडक्शन में काफी फर्क आ जाता है। नॉकटर्नल पॉलीयूरिया के मरीजों को रात के समय 33 फीसदी से ज्यादा यूरिन बनने की समस्या का सामना करना पड़ता है।

रात में बार-बार पेशाब आने पर क्या करें

अगर आपको रात के समय बार-बार पेशाब आने की समस्या का सामना करना पड़ता है तो इसके लिए डॉक्टर से जरूर संपर्क करें। इससे शरीर में होने वाले किसी तरह के इंफेक्शन का समय पर पता लग सकता है। कई बार लोगों को कोई बीमारी नहीं होती उसके बावजूद भी उन्हें रात में बार-बार पेशाब आने की समस्या का सामना करना पड़ता है, ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी लाइफस्टाइल पर ध्यान दें। ऐसी चीजों से दूर रहें जिससे यूरिन जल्दी-जल्दी बनता है। साथ ही आप दिनभर में जितना भी पानी पिएं लेकिन रात के समय सिर्फ प्यास लगने पर ही पानी पिएं। इससे भी आपको काफी मदद मिल सकती है। रात के समय कॉफी का सेवन करने से भी ब्लैडर डिस्टर्ब होता है, ऐसे में रात में कॉफी के सेवन से बचें।

क्या कहती है रिसर्च

हाइपरटेंशन रिसर्च जर्नल के 2021 के एक रिव्यू के मुताबिक, हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन भी कहा जाता है। इससे आपको रात में बार-बार यूरिन आने की समस्या का सामना करना पड़ता है। रिसर्चर का कहना है कि जब हाइपरटेंशन से पीड़ित लोग बहुत अधिक मात्रा में नमक का सेवन करते हैं तो उनका शरीर दिन में पूरी तरह से नमक को बाहर नहीं निकाल पाता जिस कारण उन्हें रात के समय यूरिन पास करने के लिए जाना पड़ता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का कहना है कि जब आप बहुत ज्यादा नमक का सेवन करते हैं तो आपका शरीर रक्त वाहिकाओं से पानी को खींचने लगता है। इसके अलावा और भी कई कारण हैं जिसके चलते आपको रात के समय बार बार यूरिन आने की समस्या का सामना करना पड़ता है। आइए जानते हैं उनके बारे में-

हंसना मना है

लड़का- तुम्हें मेरे अंदर सबसे अच्छी बात क्या लगती है? लड़की- लोग वक्त के साथ बदल जाते हैं लेकिन तुम नहीं बदले। लड़का- अच्छा!...वह कैसे? लड़की- जब मैं तुमसे मिली थी तब भी तुम बेरोजगार थे और आज भी बेरोजगार हो। अभी तक बेहोश है लड़का।

ब्रेकिंग न्यूज : सोने में 50 प्रतिशत गिरावट आई है। पहले लोग 10 घंटे सोते थे, अब Facebook और Whatsapp के कारण 5 घंटे ही सोते हैं।

एक महिला के साथ चेन स्नैचिंग की घटना हो गई चोर गले की चेन खींच कर ले गए... अगले दिन महिला और ज्यादा दुखी हो गई... हार के लिए नहीं, अखबार वालों ने छाप दिया... वृद्ध महिला के गले से हार छीन भागे चेन स्नैचर...!!

पति- वैक्सीन लगवा ली? पत्नी- हां लगवा ली... पति- फेसबुक पर तो फोटो अपलोड नहीं की तुमने... पत्नी- फोटो तो खींच ली है.... पर जब 30 साल वालों की बारी आएगी, तब अपलोड करूंगी!!

दो दोस्त आपस में बात करते हुए... मोनू- कुछ लड़कियां काफी समझदार होती हैं, भोलू- हां...वे लड़कों के फ्लर्ट करने पर गालियां नहीं देती, सीधे भैया बोलती हैं!!

कहानी — बादशाह का घमण्ड

एक बार बादशाह अकबर को इस बात का घमंड हो गया कि वे इतने बड़े मुल्क हिन्दुस्तान के बादशाह हैं, वे क्या कुछ नहीं कर सकते। अहंकार में चूर होकर उन्होंने दरबारियों से पूछा -क्या कोई ऐसा काम है, जिसे मैं नहीं कर सकता ? एक चाटुकार दरबारी ने चापलूसी करते हुए कहा कि हुजूर का इकबाल बुलंद हो, आप सब कुछ कर सकते हैं, बस केवल सूरज, चांद और दुनिया नहीं बना सकते, हुजूर के वश में मौत नहीं, वैसे हुजूर सब कुछ कर सकते हैं - केवल अन्याय नहीं कर सकते। अकबर ने अन्य दरबारियों की राय पूछी हर किसी ने अपने-अपने तरीकों से बादशाह के बड़प्पन की प्रशंसा की। अंत में उन्होंने बीरबल पर दृष्टि जमाई और पूछा - तुमने नहीं बताया कि बीरबल, हम क्या नहीं कर सकते ? जहांपनाह, सच बात तो यह है कि आप कई काम नहीं कर सकते। जैसे...? बादशाह के माथे पर बल पड़ गए। बीरबल बोला जैसे आप हथेली पर बाल नहीं उगा सकते, आप भूख को वश में नहीं कर सकते, आप आदमी को जानवर और जानवर को आदमी नहीं बना सकते और गुस्ताखी माफ हो जहांपनाह... आप स्त्रियों की भांति प्रसव पीड़ा सहकर बच्चों को जन्म नहीं दे सकते। यह सुनकर बादशाह सोच में डूब गए। उन्हें एहसास हुआ... सच्ची और खरी बात कहकर बीरबल ने उनकी आंखें खोल दीं, वे बीरबल की प्रशंसा किए बगैर न रहे।

इस कहानी से शिक्षा- अनहोनी बातों के बारे में कल्पना कर ये समझ बैठना कि वह सब कुछ कर सकता है, कोरी मूर्खता ही तो है। बादशाह भी इस बारे में मूर्ख सिद्ध हुआ। बीरबल ने सच्चाई उसके सामने उजागर कर दी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

अपनी भावनाओं पर, खास तौर पर गुस्से पर काबू रखें। पैसे कमाने के नए मौके मिलेंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए खुशनुमा एहसास रहेगा।

वृषभ

दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें सफल जरुर होंगे। पुराने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का अवसर भी आपको मिलेगा।

मिथुन

भावनात्मक तौर पर आप इस बात को लेकर अनिश्चित और बेचैन रहेंगे कि आप क्या चाहते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएं।

कर्क

दिन शानदार रहेगा। आज किसी बड़ी बिजनेस डील को बहुत सोच समझकर करने की जरुरत है। किसी अनुभवी व्यक्ति या फिर विश्वास पात्र की राय लेने के बाद ही कदम आगे बढ़ाएं।

सिंह

अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें। दूसरों को प्रभावित करने के लिए जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। तनाव का दौर बरकरार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा।

कन्या

आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। कोई पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक से लाभ दिलाएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहां आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे।

वृश्चिक

आज मनचाहे कॉलेज में एडमिशन मिल सकता है। बिजनेसमैन को आज के दिन खुद में बदलाव लाने होंगे। मार्केट के डिमांड को देखते हुए सप्लाई में बढ़ोतरी करनी होगी।

धनु

उन लोगों की तरह बर्ताव न करें जो अपने सपनों की खातिर अपने घर और सेहत को कुर्बान कर देते हैं और सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षाओं के पीछे भागते हैं। पैसे कमाने के मौके मुनाफा देंगे।

मकर

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी। आज का दिन सटीक योजनाएं बनाने का है। आज ऑफिस में सहयोगियों का साथ मिलेगा ।

कुम्भ

मानसिक दुश्मन आपके शरीर की बीमारी से लड़ने की क्षमता को बहुत कम कर देते हैं। इसलिए नकारात्मक विचारों को अपने दिमाग में जगह न बनाने दें।

मीन

मित्रों और स्नेही स्वजनों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। आज पिता और बड़े भाई के सहयोग से आप कोई नया व्यापार शुरू कर सकते हैं, जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

हमीरपुर : वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत, परिवार में कोहराम

» कानपुर-सागर राजमार्ग पर हुआ हादसा, दोस्त के साथ लौट रहे थे गांव

» एक ही गांव के तीन युवकों की मौत से छाया मातम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। कानपुर-सागर राजमार्ग पर गहबरा व छिरका गांव के बीच अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत हो गई। वे रागौल स्टेशन पर ट्रेन से आए एक साथी को लेकर बाइक से घर लौट रहे थे। मौदाहा के खंडेह गांव में हादसे की सूचना पहुंचते ही मातम छा गया है।

मौदाहा कोतवाली क्षेत्र खंडेह गांव निवासी 28 वर्षीय रामबाबू पुत्र श्यामबाबू बुधवार रात कानपुर सेंट्रल स्टेशन से रागौल स्टेशन आया था। उसे लेने उसके दोस्त 22 वर्षीय विजय पुत्र गजोधर व 21 वर्षीय मनीष पुत्र रामप्रकाश बाइक से गए थे। रामबाबू समेत तीनों दोस्त कस्बे के होटल में खाना खाने के बाद गांव लौट रहे थे। कानपुर-सागर हाईवे पर गहबरा व छिरका गांव के निकट अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में रामबाबू की मौके पर मौत हो गई जबकि दोनों अन्य दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से सभी को सीएचसी पहुंचाया। इस बीच रास्ते में घायल दोस्तों ने भी दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना गांव पहुंचते ही मातम छा गया और घरवाले अस्पताल पहुंच गए। ग्रामीणों ने बताया कि रामबाबू जेसीबी चालक था और चार वर्ष पहले शादी हुई थी। प्रसव के दौरान उसकी पत्नी की मौत हो गई थी। विजय व मनीष अविवाहित थे, वह मेहनत मजदूरी कर परिवार चलाने में स्वजन का सहयोग करते थे। एक ही गांव में तीन युवाओं की मौत को लेकर मातम छाया है।

गैंगस्टर गोल्डी के नाम पर सर्राफा कारोबारी से मांगी रंगदारी, हड़कंप

» पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में रहने वाले अन्नपूर्णा ज्वैलर्स के मालिक जितेंद्र कुमार को वॉट्सऐप कॉल करके गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम पर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। मांग पूरी नहीं होने पर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की तरह हत्या करने की धमकी दी गई है। सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के साथ ही सर्राफा व्यापारी की सुरक्षा में तीन पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

सर्राफा व्यापारी जितेंद्र कुमार के बताया कि एक अनजान नंबर से वॉट्सऐप कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने गैंगस्टर गोल्डी बराड़ गैंग से बोलने की बात कहते हुए '10 पेटी' (10 लाख रुपये) का इंतजाम करने के लिए कहा। शाम 5 बजे तक रुपये देने को कहते हुए धमकी दी कि ऐसा न करने पर अगले दिन का सूरज नहीं देख पाओगे। धमकी देने वाले से पीड़ित सर्राफ ने कहा कि वह काफी परेशान हैं। यह बात सुनने पर धमकी देने वाले ने कहा कि हम परेशानी दूर कर देंगे जो हमारी सेवा नहीं करता है, हम उसकी कर देते हैं जैसे सिद्धू मूसेवाला की सेवा की है, वैसे आपकी सेवा कर देंगे। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस के साथ आलाधिकारियों को सूचना दी।

गंगा में डूबे तीन श्रद्धालु दो की मौत, एक लापता

» गोताखोरों ने शव किए बरामद, गंगा दशहरा पर करने गए थे स्नान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कासगंज। जिले में गंगा दशहरा पर गंगा स्नान करते समय सहावर तहसील क्षेत्र के शहवाजपुर गंगा घाट पर तीन श्रद्धालु नदी में डूब गए, जिनमें से दो की मौत हो गई है। इनके शवों को बरामद कर लिया गया है। तीसरा श्रद्धालु अभी लापता है।

तीनों श्रद्धालु सहावर तहसील क्षेत्र के गांव मंगदपुर से गंगा स्नान के लिए शहवाजपुर घाट पर पहुंचे थे। गंगा में स्नान के दौरान तीनों डूब गए। सूचना पर गोताखोरों ने तलाशी अभियान चलाया। सौरभ (18 साल) पुत्र विनोद कुमार और निखिल (16 साल) पुत्र कमलेश निवासी गांव मंगदपुर के शव बरामद कर लिए गए हैं। तीसरा श्रद्धालु ममतेश (15 वर्ष) पुत्र देवेंद्र लापता है। खबर लिखे जाने तक लापता श्रद्धालु की तलाश जारी थी। सूचना पर प्रशासन और पुलिस टीम पहुंच गई है। श्रद्धालुओं की मौत से उनके परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

तो नए तरीके खोज लेंगे टीवी चैनल्स!

» 4पीएम की परिचर्चा में मीडिया की डिबेट पर प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर दिए बयान को लेकर हुए विवाद के बाद अब बीजेपी ने अपने प्रवक्ताओं पर लगाम कसी है। बीजेपी ने अपने नेताओं से किसी भी धार्मिक मुद्दे पर बात रखने से पहले परमिशन लेने के लिए कहा है तो ऐसे में सवाल ये है कि जब बीजेपी प्रवक्ता हिन्दू-मुसलमान पर नहीं बोलेंगे तो टीवी चैनल्स क्या करेंगे। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, विनोद अग्निहोत्री, रंजीव, सुशील दुबे, सैयद कासिम, प्रो. जितेंद्र मीना और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सुशील दुबे ने कहा, कई विधवा हो गए और कई विदुर हो गए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि टीवी चैनलों का बाजा बजा दिया गया है। हर पत्थर को शिवलिंग बना दिया गया। इस पर मीडिया को मंथन करना चाहिए।

रंजीव ने कहा, बीजेपी ने इस दिशा में सुधार का कदम उठाया है। सुबह का भूला शाम को घर आए तो उसे सुधार भी कहा जा सकता है। नुपुर वाला मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन गया तब इसका समाधान करने की कोशिश की जा रही है। टीवी वाले निश्चित ही कोई और जरिया निकालेंगे क्योंकि टीआरपी पर भी खेल टिका है। सैयद कासिम ने कहा, टीवी चैनल्स के मालिकान जब रात में पीएमओ से संपर्क करके दोनों प्रवक्ताओं को निलंबित व निष्कासित करा सकते हैं। मुझे लगता है बीजेपी जो परेशान है, वह अपने चार-छह चहेतों को लेकर परेशान है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो बेइज्जती हुई, इसको हल्के में नहीं लिया जा सकता है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सतीश के सिंह ने कहा, जो भी रिपोर्ट आ रही है कि प्रवक्ताओं को नहीं भेजा जाएगा, उनके लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए। ये थोड़ा देर से किया गया। ये जो पूरे देश में आक्रामक बयान देने की परिपाटी चली है आंधी-तूफान की तरह उसको सभी स्तर पर रोकना पड़ेगा। जो बयान था वो बहुत आपत्तिजनक था। विनोद अग्निहोत्री ने कहा, लीडर के ऊपर बहुत कुछ निर्भर होता है, ये संपादक पर निर्भर करता है चाहे वो प्रिंट का हो या फिर चैनल का। इस मामले में प्रवक्ताओं को रोक दिया गया मगर अब आगे टीवी वाले नए तरीके निकाल लेंगे। पृथ्वीराज पिट गई और भूलभूलैया हिट है। लोग जिस तरह से यूट्यूब चैनल्स देख रहे उससे साफ है कि वे अच्छी डिबेट देखना चाहते हैं। टीवी चैनल्स में लोग जो बैठे है, उनकी जिम्मेदारी बड़ी है, उनको देखना होगा। प्रो. जितेंद्र मीना ने भी परिचर्चा में विचार रखे।

छोटे कारीगरों को सीधे मिलेंगे खरीदार, बिचौलिए होंगे खत्म

» ओडीओपी मार्ट को ओएनडीसी से जोड़ेगी सरकार

» मनचाही कीमत पर अपने उत्पाद बेच सकेंगे कारीगर

गीताश्री

लखनऊ। अब प्रदेश के छोटे कारीगर सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ेंगे। कारीगरों को ऑनलाइन बाजार उपलब्ध कराने के लिए यूपी सरकार केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय द्वारा बनाए गए ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कामर्स (ओएनडीसी) प्लेटफार्म से अपने पोर्टल ओडीओपी मार्ट डॉट कॉम को जोड़ेगी। ओएनडीसी प्लेटफार्म से जुड़ने के बाद ओडीओपी मार्ट पोर्टल पर पंजीकृत यूपी के सभी कारीगरों के उत्पाद उन सभी ई-कामर्स साइटों और सेलर ऐप पर भी प्रदर्शित होंगे, जो ओएनडीसी से जुड़े होंगे। इससे बिचौलिए भी खत्म होंगे और कारीगर मनचाही कीमत पर उत्पाद सीधे खरीददार को ऑनलाइन बेच सकेंगे।

उत्तर प्रदेश के पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार ने एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना शुरू की थी। इस योजना का लाभ भी मिला। हर जिले से निर्यात का आंकड़ा बढ़ा है। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अब इसे तीन लाख करोड़ के पार ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी दिशा में सरकार एक और कदम उठाने जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने छोटे कारीगर और कारोबारियों को स्वतंत्र ऑनलाइन बाजार उपलब्ध कराने के लिए ओएनडीसी नाम से नेटवर्क बनाया है। देशभर की ई-कामर्स कंपनियों और सेलर ऐप को इस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इसके बाद यदि कोई व्यक्ति किसी भी ई-कामर्स प्लेटफार्म या ऐप पर जाकर कोई भी उत्पाद तलाशेगा तो उसे नेटवर्क से जुड़े प्रत्येक पोर्टल और ऐप पर उपलब्ध उत्पाद दिखाई देंगे। अभी एक ई-कामर्स साइट पर सिर्फ उसी से जुड़े उत्पाद दिखाई देते हैं।

ऑनलाइन मार्केटिंग के इस विस्तृत होते बाजार को देखते हुए एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग ओडीओपी उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री के लिए बनाए गए प्लेटफार्म ओडीओपी मार्ट को ओएनडीसी से जोड़ने जा रही है। प्रदेश के सभी 75 जिलों के ओडीओपी योजना में शामिल उत्पाद इस मार्ट पर पंजीकृत रहेंगे। वह सब ओएनडीसी के माध्यम से सभी ई-कामर्स साइट और सेलर एप पर दिखाई देंगे। इसमें उत्पादों का कैटलाग प्रदर्शित होगा, जिस पर कारीगर खुद अपने अनुसार दाम निर्धारित करेगा। 27 जून से इसका ट्रायल शुरू होने जा रहा है। अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई डा. नवनीत सहगल ने बताया कि ओएनडीसी से जुड़ने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य होगा। इससे प्रदेश के सभी जिलों के छोटे कारीगरों के लिए असीमित ऑनलाइन बाजार खुल जाएगा।

लाजिस्टिक सर्विस का विकल्प

ओएनडीसी पर लाजिस्टिक पार्टनर भी पंजीकृत होंगे। ग्राहक को कोई उत्पाद पसंद आने पर यह बाध्यता नहीं होगी कि उसे संबंधित ई-कामर्स कंपनी से ही डिलीवरी लेनी होगी बल्कि कोई भी लाजिस्टिक सर्विस का विकल्प चुन सकता है। प्रतिस्पर्धा में इसके दाम भी कम ही रहेंगे।

आयकर विभाग की साइकिल रैली में उमड़े युवा

» आजादी का अमृत महोत्सव के तहत कल होगा वृक्षारोपण कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आयकर विभाग लखनऊ भी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसी कड़ी में बीते कई दिनों से कार्यक्रम चल रहे हैं। अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयकर विभाग द्वारा आज साइकिल रैली निकाली गई। इस रैली में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। आयकर अधिकारी विमलेश राय ने बताया कि इस रैली के मुख्य अतिथि हरिन्दर बीर सिंह गिल प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त पूर्वी रहे। गिल ने

फोटो: सुमित कुमार

स्वच्छ भारत व स्वस्थ्य भारत अभियान पर जोर दिया।

यह रैली सुबह साढ़े छह बजे से प्रत्यक्ष कर भवन से शुरू होते हुए सिकंदर बाग चौराहा, सहारा गंज तिराहा, नेशनल पीजी कॉलेज, होटल क्लॉर्क अवध, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट, शहीद स्मारक व रेजीडेन्सी, डालीगंज चौराहा, क्लार्क्स अवध, परिवर्तन चौक, बाबू केडी सिंह स्टेडियम, हजरतगंज चौराहा, आयकर भवन, सिकंदर बाग चौराहा प्रत्यक्ष कर भवन पर आकर वापस खत्म हुई। विमलेश राय ने बताया कि हरित भारत अभियान के तहत कल महाराजा बिजली पासी किला स्थित श्री काशीराम सांस्कृतिक स्थल रमाबाई अंबेडकर मैदान में वृक्षारोपण होगा, जिसमें विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे। बता दें कि आयकर विभाग द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम छह जून से शुरू हुआ था, इसका समापन 11 जून को होगा। वहीं कल देर शाम त्रिकुटा सभागार में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम मल्हार का आयोजन हुआ, जिसमें देश की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया गया।

केशव मौर्य सहित नौ प्रत्याशियों ने सीएम योगी की मौजूदगी में भरा पर्चा

» विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवारों ने किया नामांकन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की रिक्त हुई 13 विधान परिषद की सीटों के लिए आज नामांकन के आखिरी दिन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित भाजपा के सभी 9 उम्मीदवारों ने विधानभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, स्वतंत्र देव सिंह, ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में नामांकन **किया। जबकि समाजवादी पार्टी के चारों उम्मीदवारों ने कल नामांकन किया था।**

20 जून को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन भाजपा के प्रत्याशी नरेंद्र कश्यप कोरोना संक्रमित होने के कारण अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर सके।

फोटो: सुमित कुमार

उनके प्रस्तावक ने उनका दाखिल किया। भाजपा ने मैदान में योगी सरकार के साथ मंत्रियों सहित नौ प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। नामांकन करने के लिए सभी नौ प्रत्याशियों ने भाजपा कार्यालय से एक साथ विधान भवन में जाकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ ही कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर मिश्रा दयालु, जेपीएस राठौर, नरेंद्र कश्यप, जसवंत सैनी, दानिश आजाद अंसारी तथा बनवारी लाल दोहरे व मुकेश शर्मा नामांकन करने के लिए भाजपा प्रदेश मुख्यालय से विधान भवन के सेंट्रल हाल में इन सभी के नामांकन करने पहुंचे। इन सभी का निर्विरोध निर्वाचन तय हो जाएगा। इसी तरह चार सीटों पर समाजवादी पार्टी भी आसानी से जीत जाएगी। योगी सरकार में मंत्री नरेन्द्र कश्यप कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। उनके स्थान पर उनके प्रस्तावक नामांकन पत्र दाखिल किया। नरेन्द्र कश्यप लखनऊ में इन दिनों वीवीआइपी गेस्ट हाउस में आइसोलेशन में हैं। विधायकों के संख्याबल के हिसाब से भाजपा के नौ तथा सपा के चार प्रत्याशियों की जीत तय है।

योगी सरकार के मंत्री का एक्शन, डिप्टी जेलर समेत चार सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाराबंकी जिला कारागार के जेल अधीक्षक, डिप्टी जेलर सहित दो जेल वार्डर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सभी को सस्पेंड कर दिया गया है। जिला जेल का मंगलवार को योगी सरकार के जेल मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान जेल में कई खामियां मिली थीं। उन्होंने कैदियों को दिया जाने वाला भोजन खुद भी खाया और अधिकारियों को भी खिलाया था।

वहीं खाने की गुणवत्ता गड़बड़ मिलने के बाद जेल के अफसरों पर मंत्री ने कार्रवाई की है। इनके निलंबन की पुष्टि डीजी जेल आनंद कुमार द्वारा की गई है। दरअसल, बाराबंकी जिले की रामनगर विधानसभा सीट से विधायक शरद कुमार अवस्थी ने शासन से शिकायत की थी कि जिला कारागार बाराबंकी के अंदर कैदियों से हाता के नाम पर 25 हजार रुपये महीना घूस के नाम पर लिए जाते हैं। इसके अलावा जेल अधीक्षक का सीयूजी नंबर कभी उठता नहीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि जेल अधीक्षक हरिबख्श सिंह सपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। इन्हीं शिकायतों पर जेल मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने जिला कारागार बाराबंकी का औचक निरीक्षण किया था। करीब डेढ़ घंटे तक चले निरीक्षण में मंत्री ने तमाम शिकायतों की जांच की और बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता भी जांची, जो बेहद खराब मिली थी।

गाजीपुर में माफिया त्रिभुवन सिंह कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। माफिया त्रिभुवन सिंह को गाजीपुर कोर्ट में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पेश किया गया। उसरी चट्टी कांड के आरोपित त्रिभुवन सिंह भारी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच कोर्ट में पेश हुए। इस दौरान तकनीकी कारणों वजह से मामले में गवाह चालक रमेश कुमार की गवाही नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट ने अगली तिथि 26 जून नियत की है। बता दें कि 15 जुलाई वर्ष 2001 को मुख्तार अंसारी के मुहम्मदाबाद से मऊ जाने के दौरान गोली चलने की घटना सामने आई थी। अंसारी के उसरी चट्टी के पास पहुंचने के दौरान ही ट्रक का आड़ लेकर उनके ऊपर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई थी। इसमें मुख्तार अंसारी बाल-बाल बच गया। वहीं दो अन्य लोगों की मौत हो गई थी। मुख्तार अंसारी ने इस मामले में बृजेश सिंह और त्रिभुवन सिंह के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई थी।

लखनऊ के बाजारों में मिलेगी फ्री वाई-फाई: महापौर

» एलईडी स्ट्रिप लाइटों से चमकेगा बाजार, संयुक्ता भाटिया के निर्देश पर कल से शुरू होगा कार्य

» अमीनाबाद बाजार, आलमबाग मार्केट, भूतनाथ मार्केट, चौक बाजार और यहियागंज बाजार में मिलेगा फ्री वाई-फाई।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महापौर संयुक्ता भाटिया के निर्देश पर नगर निगम पांच मॉडल बाजारों को चमकाने की योजना पर कल से काम शुरू करेगा। इन मॉडल बाजारों में महापौर संयुक्ता भाटिया ने फ्री वाईफाई उपलब्ध कराने के साथ ही खंभों और पेड़ों पर एलईडी स्ट्रिप लाइटें लगाने के लिए नगर आयुक्त को निर्देशित किया था।

महापौर ने इन बाजारों को सुंदर बनाने के लिए एलईडी स्ट्रिप लाइटों का काम और इन बाजारों में आने वाले ग्राहकों को फ्री वाईफाई सुविधा उपलब्ध

कराने के लिए आज नगर निगम के मुख्य अभियंता राम नगीना त्रिपाठी और स्मार्ट सिटी के महाप्रबंधक एससी सिंह को आवास पर बुलाकर समीक्षा करते हुए कल से ही कार्य प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया। महापौर ने बताया कि लखनऊ के पांच प्रमुख बाजार अमीनाबाद बाजार, आलमबाग मार्केट, भूतनाथ मार्केट, चौक बाजार और यहियागंज बाजार को सुंदर और सुव्यवस्थित मॉडल बाजार बनाने के लिए हर कदम उठाया जा रहा है। इसी के तहत इन बाजारों को फ्री वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही बिजली के खंभों, पेड़ों और अन्य स्थलों पर एलइडी स्ट्रिप लाइटे लगाई जाएंगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।